बाबा मुक्तानन्द की सिखावनियाँ

बाबा मुक्तानन्द ने सिखाया है कि परम आत्मा सभी मनुष्यों में महातेजयुक्त नीलबिन्दु के रूप में विद्यमान है। दिव्य चिति नीलबिन्दु के रूप में हमारे अन्दर निवास करती है, और सूक्ष्म होने पर भी यह नीलबिन्दु अपने अन्दर सम्पूर्ण जगत को धारण किए हुए है। बाबा जी ही थे, जिन्होंने नीलबिन्दु के अपने अनुभव को शब्दों में व्यक्त किया और अपने लेखों व प्रवचनों में इसके स्वरूप का वर्णन कर, संसार को इसका ज्ञान कराया। बाबा जी ने सिखाया कि गुरुकृपा से और सिद्धयोग साधना के प्रति समर्पित होने से, साधक को नीलबिन्दु की अनुभूति हो सकती है और इस प्रकार वह अपनी दिव्यता को पहचान सकता है।

इस अक्टूबर माह में, बाबा मुक्तानन्द की महासमाधि की वर्षगाँठ के सम्मान में, आप नीलबिन्दु के विषय में बाबा जी की इन सिखावनियों पर चिन्तन-मनन करने के लिए समय दें।

© २०२३ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।